
Ribhuproktam Brahmatvanirupanam

ऋभुप्रोक्तं ब्रह्मत्वनिरूपणम्

Document Information

Text title : Ribhuproktam Brahmatvanirupanam

File name : RRibhuproktaMbrahmatvanirUpaNam.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | shaNkarAkhyaH ShaShThAMshaH | adhyAyaH 39| 29-37||

Latest update : August 5, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 5, 2023

sanskritdocuments.org

ऋभुप्रोक्तं ब्रह्मत्वनिरूपणम्




अहं ब्रह्म परं ब्रह्म चिद्ब्रह्म ब्रह्ममात्रकम् ॥ ३९.२९ ॥
ज्ञानमेव परं ब्रह्म ज्ञानमेव परं पदम् ।
दिवि ब्रह्म दिशो ब्रह्म मनो ब्रह्म अहं स्वयम् ॥ ३९.३० ॥
किञ्चिद्ब्रह्म ब्रह्म तत्त्वं तत्त्वं ब्रह्म तदेव हि ।
अजो ब्रह्म शुभं ब्रह्म आदिब्रह्म ब्रवीमि तम् ॥ ३९.३१ ॥
अहं ब्रह्म हविर्ब्रह्म कार्यब्रह्म त्वहं सदा ।
नादो ब्रह्म नदं ब्रह्म तत्त्वं ब्रह्म च नित्यशः ॥ ३९.३२ ॥
एतद्ब्रह्म शिखा ब्रह्म तद्ब्रह्म ब्रह्म शाश्वतम् ।
निजं ब्रह्म स्वतो ब्रह्म नित्यं ब्रह्म त्वमेव हि ॥ ३९.३३ ॥
सुखं ब्रह्म प्रियं ब्रह्म मित्रं ब्रह्म सदा मृतम् ।
गुह्यं ब्रह्म गुरुर्ब्रह्म ऋतं ब्रह्म प्रकाशकम् ॥ ३९.३४ ॥
सत्यं ब्रह्म समं ब्रह्म सारं ब्रह्म निरञ्जनम् ।
एकं ब्रह्म हरिर्ब्रह्म शिवो ब्रह्म न संशयः ॥ ३९.३५ ॥
इदं ब्रह्म स्वयं ब्रह्म लोकं ब्रह्म सदा परः ।
आत्मब्रह्म परं ब्रह्म आत्मब्रह्म निरन्तरः ॥ ३९.३६ ॥
एकं ब्रह्म चिरं ब्रह्म सर्वं ब्रह्मात्मकं जगत् ।
ब्रह्मैव ब्रह्म सद्ब्रह्म तत्परं ब्रह्म एव हि ॥ ३९.३७ ॥
॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते ऋभुप्रोक्तं ब्रह्मत्वनिरूपणं सम्पूर्णम् ॥
- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । शङ्कराख्यः षष्ठांशः । अध्यायः ३९। २९-३७ ॥


Notes :

Shiva Rahasyam Amsa-06 consists of the 50 Adhyaya-s that comprise the Ribhu Gita.

Selected verses from Ribhu Gita have been compiled here based on similarity of content.

Proofread by Ruma Dewan

——
Ribhuproktam Brahmatvanirupanam
pdf was typeset on August 5, 2023

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

